कुल छपे प्रश्नों की संख्या 28
कुल छपे पृष्ठों की संख्या 6

M-50- (XII) हिन्दी साहित्य– 12000

नामांक

अर्द्ध वार्षिक परीक्षा सत्र - 2022-23

विषय : हिन्दी साहित्य (ऐच्छिक)

कक्षा - XII (बारहवीं)

समय : 3¼ घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश :

(1) सभी प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

(2) सर्वप्रथम विद्यार्थी अपने नामांक प्रश्न पत्र पर अनिवार्यतः लिखें।

(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।

खण्ड—अ

1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए—5×1=5

प्रणाम का भारतीय संस्कृति में बड़ा महत्त्व है। यह अपने से बड़ों, श्रद्धेय तथा आदरणीय जनों के प्रति आत्मीयता का प्रतीक है। माता-पिता के अतिरिक्त समाज के सभी वृद्धों, अतिथियों तथा संतों को अपनी परम्परा के अनुसार प्रणाम करना मानव धर्म है। प्रणाम के संबंध में महर्षि मनु की मान्यता है कि वृद्धजनों व माता-पिता को जो मनुष्य सेवा-प्रणाम से प्रसन्न रखता है, उसकी आयु, विद्या, यश और बल-चारों की वृद्धि होती है। प्रणाम के बल पर ही बालक मार्कण्डेय ने सप्तर्षियों से चिरंजीवी होने का वरदान प्राप्त किया था। प्रणाम की महत्ता निरूपित करते हुए संत तुलसी कहते हैं कि "वह मानव शरीर व्यर्थ है, जो सज्जनों और गुरुजनों के सम्मुख नहीं झुकता।"

(i) उपयुक्त गद्यांध का उचित शीर्षक है—

(अ) भारतीय संस्कृति, (ब) प्रणाम का महत्त्व

(स) आत्मीयता (द) परम्परा का पालन

(ii) भारतीय संस्कृति में बड़ा महत्व है—

(अ) प्रणाम का (ब) दान का

(स) यात्रा का (द) पुण्य का

(iii) बालक मार्कण्डेय ने चिरंजीवी होने का वरदान प्राप्त किया था—

(अ) ब्रह्माजी से (ब) महर्षि मनु से

(स) गुरु से (द) सप्तर्षियों से

(iv) सेवा-प्रणाम से वृद्धि होती है—

(अ) आयु, विद्या, यश और बल (ब) आयु और बल

(स) धन (द) यश

(v) "वह मानव शरीर व्यर्थ है, जो सज्जनों और गुरुजनों के सम्मुख नहीं झुकता"—यह कथन है—

(अ) संत कबीर (ब) महर्षि मनु (स) संत तुलसी (द) उपर्युक्त सभी

2. निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए— 5×1=5

मैंने हँसना सीखा है, मैं नहीं जानती रोना।
बरसा करता पल-पल पर, मेरे जीवन में सोना।
मैं अब तक जान न पाई, कैसी होती है पीड़ा?
हँस-हँस जीवन में कैसे, करती है चिंता क्रीड़ा?
जग है असार सुनती हूँ, मुझको सुख-सार दिखाता।
मेरी आँखों के आगे, सुख का सागर लहराता।
कहते हैं होती जाती, खाली जीवन की प्याली।
पर मैं उसमें पाती हूँ, प्रतिपल मदिरा मतवाली।
उत्साह, उमंग निरन्तर, रहते मेरे जीवन में।
उल्लास विजय की सत्ता, मेरे मतवाले मन में।
आशा आलोकित करती, मेरे जीवन के प्रतिक्षण।
हैं स्वर्ण-सूत्र से वलयित, मेरी असफलता के घन।
सुख भरे सुनहले बादल, रहते हैं मुझको घेरे।
विश्वास, प्रेम, साहस हैं, जीवन के साथी मेरे॥

(i) काव्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक है—

(अ) सुख और दुःख (ब) मेरा जीवन

(स) संसार (द) विश्वास

(ii) कवयित्री संसार को बताती है—

(अ) असार (ब) सुख-सार, (स) चिंताग्रस्त (द) मतवाला

(iii) 'उत्साह, उमंग निरन्तर रहते मेरे जीवन में' पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है—

(अ) रूपक (ब) श्लेष (स) अनुप्रास (द) उपमा

(iv) कवयित्री के जीवन को प्रतिक्षण प्रकाशित करती है—

(अ) उमंग (ब) असफलता (स) सफलता (द) आशा

(v) जीवन के साथी हैं—

(अ) विश्वास (ब) प्रेम (स) साहस (द) उपर्युक्त सभी

3. दिए गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए— 6×1=6

(i) जिस गुण के कारण चित्त आनंद से द्रवित हो जाए, उसे ..... गुण कहते हैं।

(ii) जहाँ काव्य में व्याकरण के नियमों का उल्लंघन करके शब्दों का प्रयोग किया जाता है, वहाँ ..... दोष होता है।

(iii) 'बिनु पद चले सुनै बिनु काना' पंक्ति में ..... अलंकार है।

(iv) 'देवसेना का गीत' प्रसाद जी के ..... नाटक से संकलित है।

(v) इलाहाबाद का विशाल संग्रहालय ..... की देन है।

(vi) यास्सेर अराफात का संबंध ..... देश से है।

4. निम्नलिखित अति लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 20 शब्दों में दीजिए— 12×1=12

(i) मीडिया की भाषा में 'बीट' किसे कहते हैं ?

(ii) विशेष लेखन के दायरे में आने वाले क्षेत्रों के नाम लिखिए।

(iii) 'ठग-ठाकुरों' से निरालाजी का संकेत किसकी ओर है ?

(iv) 'मैंने देखा, एक बूँद' कविता में किसका महत्त्व उजागर किया गया है ?

(v) जायसी द्वारा विरचित पद्मावत के 'बारहमासा' अंश में किसके विरह का मार्मिक वर्णन किया गया है ?

(vi) विद्यापति की प्रमुख रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।

(vii) केशवदास के अनुसार, देवी सरस्वती की उदारता का वर्णन करने में कौन असफल सिद्ध हुए ?

(viii) रावण की सभा में श्रीराम का शान्ति-दूत बनकर कोन गया ?

(ix) प्रेमधन का पूरा नाम (मूल नाम) लिखिए।

(x) 'बालक बच गया' निबंध में बालक इनाम के रूप में क्या लेना चाहता है ?

(xi) विरोधाभास अलंकार का लक्षण लिखिए।

(xii) उत्प्रेक्षा अलंकार का उदाहरण लिखिए।

खण्ड—ब

निर्देश—प्रश्न संख्या 5 से 14 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम शब्द सीमा 40 शब्द है :

5. फीचर क्या है ? स्पष्ट कीजिए। 2
6. समाचार किस शैली में लिखे जाते हैं ? उक्त शैली की विशेषताएँ भी लिखिए। 2
7. दोहा छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए। 2
8. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला या ब्रजमोहन व्यास के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिये। 2
9. बनारस में वसंत का आगमन कैसे होता है और उसका बनारस पर क्या प्रभाव पड़ता है ? 2
10. बालक से उसकी उम्र और योग्यता से ऊपर के कौन-कौनसे प्रश्न पूछे गए ? 2
11. भैरों ने सूरदास की झोपड़ी क्यों जलाई ? 2
12. बूढ़े तिरलोक सिंह को 'पहाड़ पर चढ़ाना' जैसी नौकरी की बात सुनकर अजीब क्यों लगा ? 2
13. कोइयाँ किसे कहते हैं ? उसकी विशेषताएँ बताइए। 2
14. 'अब मालवा में वैसा पानी नहीं गिरता, जैसा गिरा करता था।' उसके क्या कारण हैं ? 2

खण्ड—स

15. बड़ी बहुरिया का संवाद हरगोबिन क्यों नहीं सुना सका ? हरगोबिन की मनोदशा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द) 3

अथवा

'शेर' कहानी के मूलभाव को स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

16. 'तो हम सौ लाख बार बनाएँगे' इस कथन के सन्दर्भ में सूरदास के व्यक्तित्व का विवेचन कीजिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द) 3

अथवा

गर्मी और लू से बचने के उपायों का विवरण दीजिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

17. कविता-लेखन में किन-किन बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए ? (उत्तर सीमा 60 शब्द) 3

अथवा

कहानी के तत्वों पर विस्तार से प्रकाश डालिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द)

खण्ड—द

18. निम्नलिखित पठित पद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए— 4

अरुण यह मधुमय देश हमारा!

जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा।
सरस तामरस गर्भ विभा पर - नाच रही तरु शिखा मनोहर।
छिटका जीवन-हरियाली पर--मंगल कुंकुम सारा!
लघु सुरधनु से पंख पसारे-शीतल मलय समीर संहारे।
उड़ते खग जिस ओर मुँह किए - समझ नीड़ निज प्यारा।
बरसाती आँखों के बादल-बनते जहाँ भरे करुणा जल।
लहरें टकराती अनंत की - पाकर जहाँ किनारा।

अथवा

जननी निरखति बान धनुहियाँ।
बार बार उर नैननि लावति प्रभुजू की लति पनहियाँ॥
कबहुँ प्रथम ज्यौं जाइ जगावति कहि प्रिय वचन सवारे।
"उठहुँ तात! बलि मातु बदन पर, अनुज समखा सब द्वारे॥"
कबहुँ कहति यो "बड़ी बार भई जाहु भूप पहँ, भैया।
बंधु बोलि जेंइय जो भावै गई निछावरि मैया"॥
कबहुँ समुझि वनगमन राम को रहि चाकि चित्रलिखी सी।
तुलसीदास वह समय कहे तें लागति प्रीति सिखी सी॥

19. निम्नलिखित पठित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए— 4

मेरे पिताजी फ़ारसी के अच्छे ज्ञात और पुरानी हिन्दी कविता के बड़े प्रेमी थे। फ़ारसी कवियों की उक्तियों को हिन्दी कवियों की उक्तियों के साथ मिलाने में उन्हें बड़ा आनन्द आता था। वे रात को प्राय: रामचरितमानस और रामचन्द्रिका, घर के सब लोगों को एकत्र करके बड़े चित्ताकर्षक ढंग से पढ़ा करते थे। आधुनिक हिन्दी-साहित्य में भारतेन्दु जी के नाटक उन्हें बहुत प्रिय थे। उन्हें भी वे कभी-कभी सुनाया करते थे। जब उनकी बदली हमीरपुर जिले की राठ तहसील से मिर्जापुर हुई, तब मेरी अवस्था आठ वर्ष की थी। उसके पहिले ही से भारतेन्दु के संबंध में एक अपूर्व मधुर भावना मेरे मन में जगी रहती थी।

अथवा

ये लोग आधुनिक भारत के नए 'शरणार्थी हैं, जिन्हें औद्योगीकरण के झंझावात ने अपनी घर-जमीन से उखाड़कर हमेशा के लिए निर्वासित कर दिया है। प्रकृति और इतिहास के बीच यह गहरा अंतर है। बाढ़ या भूकंप के कारण लोग अपना घरबार छोड़कर कुछ अरसे के लिए जरूर बाहर चले जाते

हैं, किंतु आफत टलते ही वे दोबारा अपने जाने-पहचाने परिवेश में लौट भी आते हैं। किंतु विकास और प्रगति के नाम पर जब इतिहास लोगों को उन्मूलित करता है, तो वे फिर कभी अपने घर वापस नहीं लौट सकते। आधुनिक औद्योगीकरण की आँधी में सिर्फ मनुष्य ही नहीं उखड़ता, बल्कि उसका परिवेश और आवास स्थल भी हमेशा के लिए नष्ट हो जाते हैं।'

28. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 400 शब्दों में निबंध लिखिए— 5

(अ) मेरा प्रिय साहित्यकार

(ब) भ्रष्टाचार : एक विकराल समस्या

(स) राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता

(द) यदि मैं देश का प्रधानमंत्री होता

(य) विद्यार्थी जीवन और अनुशासन

❐ ❐ ❐